

2023/226

राजस्थान सरकार

(कायदा - 129)

जनरल रूल्स सिविल रूल्स 129 अपेन्डिक्स फार्म नंबर 8 के
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा (राज.)

किस्म मुकदमा	नंबर मुकदमा	तारीख दायर	तारीख फैसला	पेशी दिनांक
1	2	3	4	5
इजराय	10/23	11/8/2023		

अनवान

श्री श्रीकवलाल / पीलील खानी

श्री संग्राम सिंह / रामकु सिंह

निवासी शगानी का गुड़ा

निवासी राणा जी का गुड़ा

अधिवक्ता वादी / प्रार्थी / अपीलान्त

अधिवक्ता प्रतिवादी / विपक्षी / रेस्पोंडेंट

डिक्रीदार

मदयून

श्री गिरधारी लाल आचार्य

श्री

FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत

उपखण्ड अधिकारी

मुकाम

बिजौलियां

शरतलाल

बनाम सय्यागसिंह

किरम मुकदमा - इजराय आदेश - 21 नियम-11

नम्बर 10 / 2023

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
2023	इजराय सीगे से बाद जांच पेश हुई। वकील डिक्रीदार उपस्थित। इजराय दर्ज रजिस्टर की जाकर डिक्री की प्रति तहसीलदार बिजौलियां को भेज पालनार्थ लिखा जावे। पत्रावली वास्ते पालना दिनांक 31/08/2023 को पेश हों।	
3/8/2023	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी/प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान P.O. सा. दौरे पर हैं। पत्रावली दिनांक 2/8/23 को वास्ते पत्रावली पेश हो।	<p>उपखण्ड अधिकारी उपखण्ड अधिकारी बिजौलियां जिला-भीलवाड़ा</p>
12/10/2023	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी/प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान P.O. सा. दौरे पर हैं। पत्रावली दिनांक 23/11/23 को वास्ते पत्रावली पेश हो।	
23/11/23	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी/प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान P.O. सा. दौरे पर हैं। पत्रावली दिनांक 11/11/24 को वास्ते पत्रावली पेश हो।	
11/1/24	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी/प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान P.O. सा. दौरे पर हैं। पत्रावली दिनांक 15/2/24 को वास्ते पत्रावली पेश हो।	

15/2/24

पत्रावली पेश हुई। अधिकाधिक मशीन/प्रतिमा
उपस्थित थी।
दिनांक 15/3/24 पालना
उप खण्ड अधिकारी

14/3/24

पत्रावली पेश तुरी तहसीलदार बिजौलिया
द्वारा बरखा गया कि पत्रावली की पाप्मा
में मासिक - पाप्मा RAA प्रविष्टि की
तरफ से श्रे दिया गया है। मत्र: पत्रावली
में पाप्मा होने के कारण पाप्मा को रोक
ले कम करके क्षतिपूर्ति पत्रावली करें।

Jg

उप खण्ड अधिकारी
बिजौलिया जिला-भीलवाड़ा

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी बिजौलियां, जिला भीलवाड़ा, (राज0)

बर्डजलास श्रीमती सीमा तिवाडी आर0ए0एस0

राजरव प्रकरण संख्या 19/2010

दायर तारीख 12.04.2010

निर्णय दिनांक:- 19/07/2023

अनवान

01. शंकर लाल पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
02. उंकार पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
03. बंशी लाल पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
04. मोडी बाई पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
05. द्वारका पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
06. कल्ली पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
07. संतोष पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा

.....वादीगण

फोटो स्टेट प्रमाणित

बनाम

उपखण्ड अधिकारी, बिजौलियां

01. संग्राम सिंह पुत्र शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग व्यवसाय खेती निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

.....मृतक

1.1 कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह राजपूत उम्र गंवर पुत्री संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता

1.2 कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

1.3 युवराज सिंह पिता संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

02. तेज सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

.....मृतक

2.1 वीर प्रताप सिंह पिता तेज सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग जरिये माता सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

2.2 सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

03. रघुवीर सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

3.1 ओमेन्द्र कंवर पत्नि शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा

04. जनारदन सिंह पिता शम्भुसिंह जाति राजपूत उम्र बालिग पेषा खेती निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

05. राजस्थान सरकार मार्फत तहसीलदार महोदय बिजौलियां

.....प्रतिवादीगण

प्रमाणित फोटो प्रति

govt
शेडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला भीलवाड़ा

उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-02



प्रमाणित फोटो प्रति

gov
शेडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलिया जिला भीलवाड़ा

पेज संख्या:-02

उपस्थित अधिवक्ता वादीगण श्री गिरधारी लाल आचार्य
उपस्थित अधिवक्ता प्रतिवादीगण श्री जगदीश चन्द्र धाकड़

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88-188 रा0का0अधि0

-:निर्णय:-

वादीगण ने वादपत्र अन्तर्गत धारा 88-188 रा0टि0एक्ट के तहत प्रस्तुत किया। बाद जांच वादपत्र दर्ज योग्य पाये जाने की रिपोर्ट प्रस्तुत होने पर वादपत्र दर्ज रजिस्टर किये जाने के आदेश दिये गये प्रतिवादीगण की तलबी जरिये सम्मन के की गयी। वादीगण के वादपत्र अनुसार भूतपूर्व गुढा के जागीरदार मनोहरसिंह जी राजपूत के विरुद्ध चले सिलिग प्रकरण सख्या 16 सन 1971 मे जागीरदार मनोहरसिंह के नाम पर दर्ज भूमि गत बन्दोबस्ती खसरा सख्या 202 स्थित मोजा आंटी को सिलिग प्रकरण मे हुये निर्णय की क्रियान्वती मे अवाप्त की गयी जिसे बिलानाम सिवायचक दर्ज राजस्व अभिलेख किया गया। उसमे से आवंटन एसे काश्तकारो को किया गया जो आवंटन की विधिक पात्रता रखते है उसी के तहत उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ द्वारा वादीगण कमाक 1 से 7 तक के पिता देवीलाल पिता धुला खाती निवासी राणाजी का गुढा को मोजा आटी पटवार हल्का गुढा स्थित आराजी खसरा नम्बर 202 रकबा 07 बिघा का आवंटन विधि अनुसार आवंटी को किया गया। आवंटन आदेश की पालना में पटवारी हल्का द्वारा आवंटित भूमि का मोजा पर्चा बनाया गया। आवंटित का नक्शा ट्रेस तैयार किया गया। आवंटित भूमि का कब्जा आवंटी को दिये जाने के पश्चात उसकी राजस्व नक्शा ट्रेस गत बन्दोबस्ती नक्शा ट्रेस मे आवंटन भूमि तरमीम की गयी। आवंटी से आवंटित भूमि का इकरारनामा तैयार किया जाकर आवंटी की निशानी / हस्ताक्षर करवाये गये। आवंटन प्रक्रिया के अनुसरण में नोतोड खसरा तैयार किया जाकर बनी वसूली योग्य राषि आवंटी को जमा करवानी थी दर्शाया गया। आवंटी द्वारा आवंटन से प्राप्त कृषि भूमि को उन्नत आबाद कर उसकी जरूरत अनुसार फेसीग कर सिचाई का साधन बनाया जाकर कृषि भूमि का उपयोग प्रारम्भ कर दिया गया। आवंटन वर्ष 1972 से आवंटी ओर उसके पश्चात उसके वारिसान द्वारा आवंटन भूमि काश्त की जा रही है। आवंटन आदेश मे जो गत बन्दोबस्ती खसरा नम्बर दर्ज है और आवंटी को कब्जा दिया गया उसका वर्तमान बन्दोबस्त मे जो नम्बरान व रकबा बना है उसका वर्तमान राजस्व रेकर्ड मे जिस प्रकार विवरण दर्ज अभिलेख है उसका विवरण इस प्रकार है मोजा आटी पटवार हल्का गुढा स्थित आराजी खसरा नम्बर 447 एवं 448 रकबा 10 बिघा 12 बिस्वा जिस पर वर्तमान मे वादीगण का जरिये काश्त के कब्जा है। राजस्व रेकर्ड मे राजस्व कर्मचारियो द्वारा आवंटित भूमि का पृष्ठाकन नही करने की लापरवाही के कारण सिलिग द्वारा अवाप्त भूमि को वर्तमान राजस्व अभिलेखो मे प्रतिवादीगण कमाक 1 से 4 की खातेदारी मे दर्ज है। जबकि आवंटन के पश्चात न तो तत्कालीन जागीरदार जिसकी भूमि सिलिग मे अवाप्त की गयी वह उसके नीजी खाते अथवा उसके वारिसान के खाते मे भूमि दर्ज रही क्योकि सिलिग प्रकरण के निस्तारण के पश्चात अवाप्त भूमि सिवाय चक दर्ज की जाकर प्रतिवादी सख्या 5 के खाते मे दर्ज हो जाने की अवधारणा की जायेगी। यदि राजस्व कर्मचारियो ने किसी प्रकार से उदासीनता व लापरवाही बरत अवाप्त भूमि को सिवायचक मे दर्ज नही किया है तो उसके कारण आवंटन आदेश का निष्प्रभावी होना नही माना जा सकता है न ही गलत रूप से प्रतिवादीगण के नाम दर्ज होना जाकर उन्हे खातेदार माना जा सकता है। वादीगण जिस खसरा नम्बरान की भूमि का खातेदार काश्तकार घोषित कराने के लिए वादीगण वाद लेकर आये है उस बाबत उनके द्वारा सारा आवंटन रेकर्ड, आवंटन कमेटी की आवंटन हेतु की कार्यवाही का रेकर्ड प्रस्तुत किया गया। किस आवंटी को किस नम्बर की भूमि मे कितनी भूमि का आवंटन किया गया उसकी सूची प्रस्तुत की गयी। तहसीलदार महोदय द्वारा आवंटन की कार्यवाही पूर्ण कर जो दस्तावेज आवंटन कमेटी को भिजवाये गये वे सभी दस्तावेज वादीगण ने प्रस्तुत किये गये है वादीगण द्वारा वादग्रस्त खातेदारी की खातेदारी दिये जाने का अनुतोष मांगा है।

उप खण्ड अधिकारी
बिजौलिया जिला भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-03



पेज संख्या:-03

प्रतिवादीगण के द्वारा आवंटी के कब्जे काशत वाली भूमि अपने नाम राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज होना अंकित होने को आधार बनाकर वादीगण के कब्जे काशत में हस्तक्षेप करना प्रारम्भ करने पर वादीगण ने यह वाद प्रस्तुत कर प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करने के अनुतोष की मांग की गयी। प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक न्यायालय द्वारा जारी सम्मन की पालना में न्यायालय में अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित हुये जिन्होंने बचाव में अपना जवाब प्रस्तुत किया। प्रतिवादीगण का यह बचाव अपने जवाब के माध्यम से लिया कि वादग्रस्त जायदाद गत बन्दोबस्ती खसरा नम्बरान के खसरा नम्बर 202 पर दर्ज भूमि अवाप्त नही की जाकर खसरा नम्बर 202/2 सिलिंग प्रकरण में अवाप्त की गयी। सिलिंग प्रकरण में खसरा संख्या 202/2 को अवाप्त किया गया। खसरा नम्बर 202 से किया गया आवंटन गलत है। इसलिये खसरा नम्बर 202 में किया गया आवंटन अवैध है खसरा नं० 202 में प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक खातेदार है, खसरा नम्बर 202/2 में वादीगण को भूमि का आवंटन हुआ है जिसका प्रतिवादी संख्या 1 व 4 के नाम पर दर्ज भूमि की खातेदारी भूमि से कोई सम्बन्ध नहीं है। वादीगण के द्वारा जो मिलान खसरा प्रस्तुत किया गया है उससे आवंटन का कोई सम्बन्ध नहीं है क्योंकि प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 की खातेदारी में दर्ज भूमि को न तो आवंटियों का भूमि का आवंटन हुआ है न ही कब्जा दिया गया। आवंटन खसरा संख्या 202 में किया गया जिसे सिलिंग कार्यवाही में लिया गया है खसरा संख्या 202/2 का अधिग्रहण नहीं किया गया। खसरा संख्या 202 को खसरा संख्या 202/2 से नहीं जोड़ा जा सकता है। राजस्व रेकॉर्ड में आवंटन की क्रियान्विती सम्पादित नहीं हुयी है। इसलिए वादीगण को चाहे गये खसरा नम्बर का खातेदार काशतकार घोषित नहीं किया जा सकता है खसरा नम्बर 447. 448 वर्तमान बन्दोबस्ती खसरा नम्बर 202 में से बने है इसलिए खसरा संख्या 202 में आवंटन भूमि माना जाकर वादीगण का वाद डिक्री नहीं किया जा सकता है। प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक की खातेदारी भूमि का आवंटन से कोई लेना देना नहीं है। 30 वर्ष बाद भी राजस्व रेकॉर्ड में इन्द्राज नहीं करवाया जाना वादीगण का उदासीनता पूर्ण कृत्य है। वादीगण को सिलिंग प्रकरण में कार्यवाही करवा आवंटन की क्रियान्विती करना चाहिये। वादीगण ने स्पष्ट नहीं किया है कि किस स्थान पर आवंटन हुआ है स्पष्ट नहीं किया है। वादपत्र खारिज फरमाया जावे।

वादीगण ने उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ जो तत्कालीन समय में आवंटन कमेटी के अध्यक्ष थे उनके द्वारा जारी व हस्ताक्षरित सूची पेश की। आवंटन आदेश की पालना में की गयी आवंटी के पक्ष की कार्यवाही दस्तावेज तत्कालीन क्षेत्र के तहसीलदार माण्डलगढ की आवंटन कार्यवाही के बाद तैयार सूची जिस पर तहसीलदार के हस्ताक्षर है पेश की व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किये।

प्रतिवादीगण ने एक जमाबन्दी गत बन्दोस्ती में उनके नाम दर्ज भूमि की प्रति पेश की है। प्रस्तुत वादपत्र जवाब दावे एवम प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर वादपत्र में तनकीयात कायम की गयी जो इस प्रकार से है।

तनकीयात

01. आया वादीगण मोजा आंटी स्थित कृषि खातेदारी भूमि मौजा आटी पटवार हल्का गुढा स्थित आराजी खसरा नम्बर 447 एवं 448 रकबा 10 बीघा 12 बिस्वा की खातेदारी पाने के अधिकारी होकर उनका वादग्रस्त जायदाद पर कब्जा है

.....जिम्मे वादीगण



उपखण्ड अधिकारी
जिजायतिया जिला भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-04
प्रमाणित फोटो प्रति

Gaut
सीडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
जिजायतिया जिला भीलवाड़ा



पेज संख्या:-04

प्रमाणित फोटो प्रति

govt
रीडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलिया जिला भीलवाड़ा

02. आया वादी की खातेदारी मे अभिलिखित योग्य कृषि भूमि प्रतिवादीगण वर्तमान खातेदार के नाम पर भूमिधारी द्वारा सेवन इन्द्राजी की प्रक्रिया मे गलत दर्ज की हुयी है।
.....जिम्मे वादीगण

03. आया प्रतिवादीगण वर्तमान खातेदारान द्वारा अवैध रूप से भूमि का अन्तरण व वादीगण की खातेदारी मे हस्तक्षेप भूमि को नष्ट प्रायः करने का प्रयास अनुचित है।
.....जिम्मे वादीगण

04. आया वादीगण वादग्रस्त जायदाद की अपने नाम पर राजस्व अभिलेखो मे इन्द्राज कराने बाबत उत्सुक नही रहने से राजस्व वाद चलने योग्य नही है।
.....जिम्मे वादीगण

05. आया वादीगण को आवंटित की गयी कृषि भूमि की मोका स्थिती स्पष्ट नही है।
.....जिम्मे प्रतिवादीगण

06. आया वादपत्र अवधिपार है।
.....जिम्मे प्रतिवादीगण

07. आया वादीगण को वादपत्र लाने की लोकल स्टेण्डी नही है।
.....जिम्मे प्रतिवादीगण

08. आया वादीगण को जिस खसरा नम्बर भूमि मे भूमि आवंटन किया गया उसकी सिलीग प्रकरण मे अवाप्त कर भूमि नही हुयी है।
.....जिम्मे प्रतिवादीगण

09. अनुतोष क्या होगा।

वादीगण से जिन वादीगण की मृत्यु हुयी उनका आवेदन देकर उनके वारिसान को पक्षकार बनाया साथ ही जैसे जैसे जिन प्रतिवादीगण की मृत्यु हुयी उनका वादीगण ने आवेदन देकर बाद अनुमति न्यायालय मृतक प्रतिवादीगण के स्थार पर प्रतिवादीगण बनाया गया है पी.डब्ल्यू एक वादी व गवाह पी.डब्ल्यू दो व पी.डब्ल्यू 3 के बयान करवाया। वादीगण का पी.डब्ल्यू एक वादी स्वयं ने सशपथ बयान दिया कि वादग्रस्त जायदाद जो उसके पूर्वजो को आवंटित हुयी आवंटन कार्यवाही के कब्जा दिया गया। आवंटन से प्राप्त जायदाद कृषि भूमि को आवंटी व बाद के कब्जेधारी उन्नत आबाद व सीमाबन्द कर लिया। वादीगण उस पर काबिज होकर काश्त करते है। प्रतिवादीगण ने जब वादीगण के कब्जे वाली जायदाद को अपनी खातेदारी भूमि बताकर विवाद व जबरन कब्जा छीनना चाहा तो वादीगण वाद लेकर आये। वादीगण ने अपने प्रस्तुत दस्तावेज को प्रदर्श करवाया प्रतिवादीगण की ओर से की गयी जिरह से ऐसे कोई तथ्य गवाह की जिरह के प्रतितीर मे नही कहा जो प्रतिवादीगण के पक्ष के होकर प्रतिवादीगण के बचाव को सहायता मिली हो न ही कब्जा प्रतिवादीगण का सिद्ध हुआ हो। वादी के प्रस्तुत गवाह पी.डब्ल्यू 2 व पी.डब्ल्यू 3 ने वादीगण को वादग्रस्त जायदाद पर कब्जा होने का कथन किया है साथ ही उसने मुख्य परिक्षण द्वारा वादग्रस्त जायदाद पर प्रतिवादीगण का कब्जा हो जाना स्वीकार किया हा। जिरह मे भी प्रतिवादीगण के पूछे गये प्रश्नो का स्वीकार करते हुये प्रतिवादीगण के हितो की बात कही है।

वादीगण ने साक्ष्य वादी रिबिटल रिजर्व रखते हुये अपनी साक्ष्य बन्द की।

प्रतिवादीगण की ओर से गवाह डी.डब्ल्यू एक प्रतिवादीया उपस्थित हुयी जिसने सशपथ कथन किया कि उसके ससुर के खाते की भूमि मोजा आंटी मे स्थित है जिस पर हमारा ही कब्जा है हमारे सयुक्त खाते मे भूमि दर्ज है। मेने जमाबन्दी की नकल पेश की है भूमि जो सिलिग में गयी उससे हमारा कोई सम्बन्ध नही है हमारी जमीन खाते कराने का वादी ने गलत दावा पेश कर दिया।

इस गवाह से जिरह करने पर गवाह ने वादीगण का कब्जा होने से इन्कार किया एवम वादीगण को भूमि आवंटित हुयी होकर कब्जा दिया गया हो उससे इन्कार किया है।

प्रतिवादीगण ने अन्य कोई बावजूद गवाह पेश करने का अवसर दिये जाने पर भी गवाह पेश नही किये प्रतिवादीगण की साक्ष्य बन्द की गयी।

उपखण्ड अधिकारी

बिजौलिया जिला भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-05



प्रमाणित फोटो प्रति

gov
रिडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
त्रिजोलिंग जिला मीलवाडा

पेज संख्या:-05

प्रतिवादीगण ने एक प्रार्थनापत्र आदेश 26 नियम 9-10 दि0प्र0स0 का प्रस्तुत कर कब्जे बाबत मोका रिपोर्ट मंगवाने का प्रस्तुत किया। वादीगण ने प्रार्थनापत्र का जवाब प्रस्तुत कर बहस की कि पक्षकारान को अपनी जबानी ओर दस्तावेजी साक्ष्य से वाद व प्रतिवाद का सिद्ध करवाना होता है। वह अपनी साक्ष्य मे रही कमी को दूर करने के लिए न्यायालय को माध्यम बना मोका रिपोर्ट नहीं मगवा सकता। न ही न्यायालय ऐसा कोई आदेश देगा जिससे यह स्थिती बनती हो कि पक्षकार न्यायालय अधिकारो का अनावश्यक उपयोग अपने पक्ष मे करने के लिए साक्ष्य एकत्रित करवाने हेतु कमीश्नर रिपोर्ट भी मगवाने का प्रार्थनापत्र लेकर आया हो।

बहस सुनने के पश्चात प्रतिवादीगण का प्रार्थनापत्र सारहीन पाये जाने से खारिज किया गया। दोनो पक्षो की ओर से बहस की गयी।

वादीगण के अभिभाषक बहस करते हुये निवेदन किया कि वादीगण के पूर्वज आवंटियो को सिलिंग प्रकरण मे जागीरदार की अवाप्त भूमि के भूमि का आवंटन किया गया क्योंकि अवाप्ती के पश्चात भूमि सिवाय चक बिलानाम भूमि के रूप मे दर्ज की गयी थी आवंटन की गयी भूमि राजस्व अभिलेखो मे आवंटन हेतु उपलब्ध भूमि का चयन किया जाता है जिसकी पटवारी की आवटन हेतु भूमि मय भू अभिलेख निरीक्षक की टिप्पणी के प्राप्त होने के पश्चात तहसीलदार द्वारा भूमि आवंटन हेतु उपलब्धता की जांच कर प्रतिवेदन आवंटन कमेटी के समक्ष रखता है तत्पश्चात उपखण्ड अधिकारी सिलिंग प्रकरण में प्रभावी अवाप्त भूमि का आवंटन हेतु मात्र कृषक काश्तकारो को किया जाता है। न्यायालय मे वादीगण की ओर से उपखण्ड अधिकारी महोदय जो आवंटन हेतु प्राधिकृत अधिकारी है उसके द्वारा जिस आवंटनी काश्तकारो का अवाप्त भूमि का आवंटन किया गया उसकी सूची प्रस्तुत की है जिसे तहसीलदार को मोके पर नियमानुसार पालना के निर्देश के साथ भिजवायी सूची एवं आवटन आदेश की पालना तैयार किये गये कागजात पेश किये है।

तहसीलदार महोदय के निर्देशानुसार पटवारी हल्का ने आवंटियो को भूमि मोके पर पेम्द कर कब्जा दिया एवम अपने नक्शे मे उसकी तरमीम की गयी। नक्शा नोटोड बनाया गया लगान का निर्धारण किया गया एवम आवंटनी से लिखवाये जाने वाले इकरारनामे की आवटनी से पूर्ति करवाये आवंटन आदेश की पालना तैयार किये दस्तावेज तत्कालीन तहसील कार्यालय माण्डलगढ मे प्रस्तुत किये गये। तहसीलदार माण्डलगढ ने आवटन आदेश से सम्बन्धित पटवारी हल्का ओर भू निरीक्षक द्वारा तैयार किये गये दस्तावेजो के आधार पर सूची बनाकर तत्काली उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ के समक्ष रखी गयी जिसे उपखण्ड अधिकारी महोदय ने नियमानुसार आवंटन आदेश पालना हो जाना मानकर सभी दस्तावेज सिलिंग प्रकरण की पत्रावली पर रखे जाने के आदेश दिये थे जिसकी वादीगण ने प्रमाणित प्रतिया प्राप्त कर वादपत्र के साथ प्रस्तुत की है। वादीगण द्वारा भूमि आवंटित होने को जरिये साक्ष्य वादी एवम उसके गवाह से पुष्टी करवायी गयी व कब्जा वादीगण का होने को सिद्ध करवाया गया है। इसके विपरित प्रतिवादीगण ने ऐसी कोई निष्पक्ष साक्ष्य नहीं करवायी है प्रतिवादिया स्वयं पेश व हुयी व हितबद्ध गवाह है इसलिए अकेली की साक्ष्य से प्रतिवादिया का कब्जा सिद्ध नहीं हुआ है वादीगण का डिकी फरमाया जावे। प्रतिवादीगण के अभिभाषक ने अपनी बहस मे निवेदन किया है वादीगण वादग्रस्त जायदाद के खातेदार उनके खाते मे गत बन्दोबस्त मे दर्ज रहे खसरानम्बर 202/2 जिस जागीरदार के विरुद्ध सिलिंग प्रकरण चला उसके खाते मे दर्ज भूमि नहीं थी। सिलिंग प्रकरण मे गत बन्दोबस्ती खसरा सख्या 202 नम्बर की भूमि अवाप्त की गयी जिसके वर्तमान बन्दोबस्त खसरा नम्बर जिसकी खातेदारी लेने के लिए वाद लाया गया। व नहीं बने है। प्रतिवादीगण की ओर से प्रस्तुत जमाबन्दी के आधार पर वादीगण का कोई प्रकरण नहीं बनता है वादीगण का वाद चलने योग्य नहीं है वादपत्र भी अवधिपार है एवम वादीगण को वाद लाने की कोई पात्रता नहीं है।

दोनों पक्षो के द्वारा की गयी बहस साक्ष्य व प्रस्तुत दस्तावेजो का ध्यान पूर्वक अवलोकन एवम मनन किया गया इसके आधार पर प्रत्येक तनकी का निर्णय न्यायालय के मतानुसार निम्नानुसार है।

लगातार पेज संख्या:-06

8
उपखण्ड अधिकारी
त्रिजोलिंग जिला मीलवाडा



तनकी न० 1

इन तथ्यों को सिद्ध करवाने का भार वादीगण पर है वादग्रस्त जायदाद जिसका आवंटन वादीगण के पूर्वजों को किया गया उसके सम्बन्ध में वादीगण की ओर से जो दस्तावेज पेश किये गये हैं जिसमें तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ के द्वारा जिन व्यक्तियों को सिलिंग में अवाप्त की गयी भूमि का आवंटन किया उसकी सूची पत्रावली पर मौजूद है जिसमें वादीगण के पिता देबीलाल जी को सात बीघा का आवंटन गत बन्दोबस्ती खसरा संख्या 202 में किया जाना दर्शाया हुआ है। उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ की आवंटन सूची में अंकित किया गया है कि निम्न आवंटियों को सिलिंग में अवाप्त भूमि का आवंटन का आदेश दिया जाता है यह आदेश सूची उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ के हस्ताक्षर से उनके कार्यालय से जारी की जाकर तत्कालीन तहसील माण्डलगढ में भिजवायी गयी। उक्त आवंटन आदेश की पालना आवंटियों के पक्ष में पटवारी हल्का व भू अभिलेख निरीक्षक ने की वे सभी दस्तावेज पत्रावली पर मौजूद हैं साथ ही आवंटन कार्यवाही पूर्ण होने के बाद तहसीलदार माण्डलगढ द्वारा आवंटन की क्रियान्वृत्ति बाबत जो कागजात उनके अधिनस्थ कर्मचारियों ने तैयार किये उपखण्ड कार्यालय में प्रेषित कर दिये गये। इस प्रकार आवंटियों को भूमि आवंटित हुयी है वह संवैहासपद नहीं है जहा तक खसरा नम्बरान का अन्तर प्रतिवादीगण के अभिभाषक की ओर से की गयी आपत्ती पर विचार करने का प्रश्न है जिससे यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि 202 के टुकड़े कर दर्ज की गयी वह भूमि सिलिंग से प्रभावी नहीं है। यदि किसी बड़े रकबे वाली भूमि है उसको दो हिस्सों में बाटा जाता है तो इसको इस प्रकार से राजस्व अभिलेखों में दर्ज अभिलेख किया जाता है मूल खसरा नम्बर को मीन शब्द अंकित कर राजस्व रिकॉर्ड पर रखा जाता है उसके पश्चात बटा नम्बरान मूल नम्बर के नीचे 1, 2, 3 वगैरा दर्ज राजस्व अभिलेख किये जाते हैं इससे स्पष्ट है कि आवंटन भूमि मूल नम्बर 202 है तो उसके साथ मीन शब्द नहीं है संभवत मनन करने बाद ऐसा लगता है कि जो खसरा नम्बर 202 का विभाजन होना बताकर खसरा संख्या 202/2 अलग नम्बर डाला गया है वह सन्देह उत्पन्न करने वाला है जो सम्भवत न्यायालय द्वारा की जा रही सिलिंग कार्यवाही से अवाप्त भूमि के बाद हुयी आवंटन की कार्यवाही से बचने के लिए खसरा नम्बर 202 को टुकड़ों में विभाजित करवा कर प्रतिवादीगण ने अपने खाते में दर्ज करवायी हो।

यदि प्रतिवादीगण के आवंटन आदेश एवम आवंटन कार्यवाही के नम्बरान में आये अन्तर को माना जाकर यह तनकी वादीगण के विरुद्ध तय की जाती है तो यह स्थिती बनेगी कि आवंटन अधिकारी ने आवंटन ही गलत किया जबकि ऐसा कयास करना जिम्मेदार अफसर के लिए उचित नहीं होगा क्योंकि भूमि की रिककता या उपलब्धता की रिपोर्ट होने पश्चात ही भूमि का आवंटन किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रतिवादीगण की खातेदारी भूमि दर्ज भूमि को प्रतिवादीगण आवंटन नहीं मानते हैं और वर्ष 1972 के पश्चात से भूमि वादीगण के कब्जे में थी तो प्रतिवादीगण खातेदारों ने यह आपत्ती सक्षम अधिकारी के समक्ष क्यों नहीं की। क्योंकि सिलिंग कार्यवाही में यदि अन्य खातेदार की भूमि अव्यक्त कर ली जाती और उसका आवंटन किया जाता है तो सिलिंग कार्यवाही का प्राधिकृत अधिकारी उसे खारिज कर सकता है प्रतिवादीगण ने इस बाद से पूर्व कभी सक्षम अधिकारी के यहा आवंटन को निरस्त कराने अथवा आवंटन का कब्जा हटाने की कार्यवाही करवायी नहीं करवाई जबकि आवंटन का वर्ष 1972 है जिसको काफी लम्बा समय व्यतीत हो चुका है और वादीगण के तर्क एवम साक्ष्य के अनुसार आवंटियों ने भारी लागत लगा दी है वादीगण ने मिलान खसरे की नकल पेश कर जिस खसरा नम्बर को अपने खाते में दर्ज कराने का अनुतोष मांगा है वह भी सिद्ध हुआ है इसलिए इस तनकी का निर्णय वादीगण के पक्ष में किया जाता।

उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियाँ जिला-भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-07

प्रमाणित फोटो प्रति

गवर्नर
सिडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियाँ जिला भीलवाड़ा



प्रमाणित फोटो प्रति

Govt
रिडर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजोलिया जिला भीलवाड़ा

पेज संख्या:-07

तनकी नं 02 :-

इस तनकी को सिद्ध कराने का भार वादीगण पर है जो रेकॉर्ड न्यायालय में आवंटन सम्बन्धित पेश हुआ है उससे यह स्पष्ट है कि वादग्रस्त जायदाद आवंटी को आवंटित हुयी उसकी कियान्वती भी मोके पर की गयी इसके सम्बन्ध में आवंटन सामग्री उपलब्ध है साथ ही नये बने नम्बरान का मिलान खसरा भी उपलब्ध है। कब्जे वाले कालम में आवंटी का नाम दर्ज है इससे स्पष्ट है कि आवंटी को जिस स्थान का कब्जा दिया गया उसी नम्बर वाले स्थान पर उसका कब्जा है। प्रतिवादीगण यह स्पष्ट नहीं कर पाये की खसरा संख्या 202/2 उनके खाते मे से आयी। क्योंकि जो सिलिग प्रकरण चला उसमे जागीरदार की खातेदारी मे दर्ज भूमि उसके पास सिलिग अधिनियम रखे जाने योग्य भूमि उसके लिये छोडी गयी जिसमे उसके परिवार की यूनिट बनाकर जमीन उनकी खातेदारी मे छोडी गयी। यह तो स्पष्ट है कि प्रतिवादीगण के पूर्वज ही गांव गुढा के जागीरदार थे व प्रतिवादीगण के पूर्वज छूट भाईयो मे थे रूल आफ प्रिमिजीनेचर के अनुसार गदासीन जागीरदार ही सम्पूर्ण जागीर सम्पति का मालिक था और छूट भया को गुजर लायक सम्पति दी जाती थी। इसलिए जागीरदार ने जो भूमि सरेण्डर के ओपशन के तहत भूमि सरेण्डर की वह अवाप्त कर ली गयी और उसी का आवंटन आवंटियों को किया गया। यदि सरेण्डर की कार्यवाही मे नम्बरान इधर उधर कर दिये गये तो इससे सिलिग की अवाप्ती कार्यवाही पर कोई फर्क नहीं पडेगा। न ही जिसके खाते मे सिलिग कार्यवाही के विपरित भूमि किसी खातेदार के खाते चढायी गयी और बन्दोबस्त कार्यवाही मे उसी के नम्बर जो बने उसे खातेदार व्यक्तिगत खातेदारी की भूमि दर्ज की गयी है तो वह सही नहीं है प्रतिवादीगण ने अपने तर्क के समर्थ मे वे ही प्रारम्भ से खातेदार है राजस्व रेकॉर्ड एवम साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की जो रेकॉर्ड पेश किया गया वह भी सिलिग कार्यवाही का समकालीन है। इसलिए इस तनकी का निर्णय वादीगण के पक्ष में किया जाता है।

तनकी क्रम 3

उक्त तनकी को सिद्ध कराने का भार भी वादीगण के जिम्मे है। प्रस्तुत आवंटन रेकॉर्ड से यह साबित है कि आवंटी को मोके पर कब्जा दिया गया मिलान खसरा मे भी आवंटी का कब्जा दर्ज है उससे भी स्पष्ट है कि आवंटी का कब्जा भी चाही गयी खातेदारी भूमि पर है जिसको मिलान खसरे के इन्द्राज एवम अपनी ओर से प्रस्तुत साक्ष्य से भर सिद्ध करवाया है कि वादीगण का जिस खसरा नम्बर की भूमि को अपने नाम करवाना चाह रहा है। उस पर वादीगण का जरिये काश्त के कब्जा है स्थाई फेसिंग होकर सिचाई का साधन बना हुआ है। प्रतिवादीगण ने केवल इस आधार पर बचाव लिया है कि भूमि वर्तमान मे उनके खाते मे है गलत आवंटन से आवंटी को भूमि का आवंटन हुआ है। केवल खातेदारी मे भूमि दर्ज हो जाने से अब तक वैध खातेदार होना प्रतिवादीगण साबित नहीं करवाते वादीगण द्वारा चाहा गया अनुतोष दिये जाने से इन्कार नहीं किया जा सकता। जो राजस्व रेकॉर्ड वादीगण ने पेश किये है उससे स्पष्ट है कि सिलिग की कार्यवाही से अवाप्त हुयी भूमि मे ही आवंटी को आवंटन हुआ है व कब्जा भी दिया गया है यह नहीं माना जा सकता कि राजस्व अधिकारियो ने किसी अन्य खातेदार के खाते मे दर्ज भूमि का आवंटन राजस्व रेकॉर्ड के विपरित किया गया हो। वादीगण ने प्रतिवादीगण के द्वारा उनके कब्जे वाली भूमि मे जबरन कब्जा करने के प्रयास के विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा का वाद पेश किया है साथ ही आवंटित भूमि प्रतिवादीगण खातेदार के खाते मे भूमि दर्ज होने का कथन करते हुये खातेदारी समाप्त की जाकर वादीगण को खातेदारी दिये जाने का अनुतोष मांगा है। प्रतिवादीगण जरिये कोस क्ले मे आवंटन अवेध घोषित कराने का भी अनुतोष नहीं मांगा है न ही वादपत्र प्रस्तुत होने बाद सक्षम न्यायालय मे आवंटन को खारिज कराने के लिए सक्षम न्यायालय मे कोई कार्यवाही करवायी है। प्रतिवादीगण ने वादग्रस्त जायदाद पर उनका कब्जा है किसी निष्पक्ष साक्ष्य द्वारा साबित भी नहीं करवाया है कि किस रूप मे वे काबिज है न ही कोस क्लेम द्वारा वादीगण का कब्जा हटाने का अनुतोष मांगा गया है इस तनकी का निर्णय वादीगण के पक्ष मे किया जाता है।

लगातार पेज संख्या:-08

2023/231

पेज संख्या:-08

तनकी न0 4

उक्त तनकी को वादीगण के जिम्मे किया जाना तनकी पर्चा में अंकित किया गया है जबकि तनकी को पढने से स्पष्ट है कि इसको सिद्ध करवाने का भार प्रतिवादीगण के जिम्मे होना चाहिये।

इसको ध्यान मे रखते यह तनकी प्रतिवादीगण के जिम्मे की मानते हुये निर्णय किया जाना उचित प्रतित होता है।

वादीगण द्वारा 88 रा0टि0एक्ट के तहत वाद लाया गया है उसके लिए मियाद सीमा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम में दी गयी सारणी मे तय नही की गयी है हितबद्ध व्यक्ति कभी भी खातेदारी लेने के लिए वाद प्रस्तुत कर सकता है कानून के अवलोकन से यह स्थिती स्पष्ट हुयी है। इसलिए वादीगण के वाद का अवधि पार होना नही माना जा सकता है।

यहा यह उल्लेख करना न्यायालय उचित समझता है कि राजस्व रेकर्ड का सही तरिकके से पोषण करना ओर राजस्व रेकर्ड मे घटनानुसार प्रविष्टिया करना राजस्व कर्मचारियो के कर्तव्यो मे है। आवंटन के आधार पर आवंटी के खाते मे भूमि दर्ज करने मे यदि सम्बन्धित राजस्व कर्मचारियो ने उदासीनता व लापरवाही बरतते हुये नही की है तो इसके लिए न तो आवंटी की गलती मानी जा सकती है न वादीगण का अनुतोष स्वीकार करने से इन्कारी की जा सकती है। राजस्व रेकर्ड मे समय के चलते उसके खाते मे भूमि दर्ज नही की गयी। उक्त तनकी का निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।

तनकी न0 5

यह तनकी प्रतिवादीगण के जिम्मे की है प्रतिवादीगण ने यह स्पष्ट नही किया है कि किस प्रकार आवंटी के यह कथन करके आये है कि जिस स्थान पर वादीगण मोजा आटी की वादग्रस्त भूमि पर काबिज हो काश्त करना कह कर आये है वहा उनका कब्जा नही है इसलिए प्रतिवादीगण के संज्ञान मे दावा पेश करने की दिनांक से है कि वादीगण का कब्जा किस स्थान पर है। वादीगण ने जो आवंटन के पश्चात तहसीलदार मोके पर आवंटन आदेश की पालना मे आवंटी को कब्जा दिया गया नक्शा भी पेश हुआ है जो स्पष्ट करता है कि वादीगण को किस स्थान पर कब्जा दिया गया। उक्त प्रकरण मे तहसीलदार भी एक पक्ष है जिसने वादीगण के वाद का जवाब प्रस्तुत कर आवंटन व उसकी पालना मे कब्जा आवंटी को दिये जाने से इन्कार नही किया है। इसलिए इस तनकी निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।

तनकी न0 6

यह तनकी प्रतिवादीगण के जिम्मे की है इसका निर्णय भी तनकी न0 4 के विस्तृत निर्णय के समय किया जा चुका है इसलिए पुनः उन्ही तथ्यो को दोहराते हुये निर्णय किया जाता है उसी अनुसार इस तनकी का प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।



8

उप खण्ड अधिकारी

बिजौलियाँ जिला-भीलवाड़ा

लगामतार पेज संख्या:-09



प्रमाणित फोटो प्रति

gov

सं.डर

न्यायालय उपखण्ड नरी
बिजौलियाँ जिला भोस



पेज संख्या:-09

तनकी संख्या 7

इस तनकी को सिद्ध करवाने का भार प्रतिवादीगण के जिम्मे है। प्रतिवादीगण व तहसील द्वारा यह कथन नहीं किया गया कि जिस खसरा नम्बर की भूमि की खातेदारी मांगी गयी उस बाबत वादीगण के कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उन्हें भूमि का आवंटन नहीं किया गया है जबकि वादीगण ने आवंटन आदेश से लेकर कब्जा देने की सारे राजकीय कार्यवाही के दस्तावेज पेश किये हैं इसलिए उन्हें कानूनी अधिकारिता है कि आवंटित भूमि को अपने नाम करवाने हेतु घोषणा का वाद प्रस्तुत करें। इसलिए यह नहीं माना जा सकता है कि वादीगण को वाद लाने की लोकस स्टेण्ड्री नहीं है। इसलिए उक्त तनकी का निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।

तनकी नं० 8

इस तनकी को सिद्ध करवाने का भार प्रतिवादीगण पर है किसी भी तनकी का निर्णय पत्रावली में संलग्न दस्तावेजों के परिपेक्ष एवम पत्रावली पर आयी साक्ष्य से किया जाना निर्देशित है जो आवंटन सूची उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ की पेश हुयी है इसके अतिरिक्त आवंटन कार्यवाही की पालना में तैयार किये गये दस्तावेज भी पत्रावली पर मौजूद है। प्रतिवादीगण ने किसी दस्तावेज या साक्ष्य से यह साबित नहीं करवाया है कि खसरा संख्या 202 के टुकड़े किये जाकर खसरा संख्या 202/2 कब अलग दर्ज किया गया। यदि खसरा संख्या 202/2 जो खसरा संख्या 202 के टुकड़े कर दर्ज किया गया। आवंटन के समय यदि प्रतिवादीगण उसके खातेदार थे तो उन्हें आवंटन अधिकारी के समक्ष उजरदारी पेश करनी थी या आवंटन को निरस्त कराने के लिए सक्षम अधिकारी के समक्ष अपील या निगरानी पेश करनी थी प्रतिवादीगण आवंटन को निरस्त कराने की कोई कार्यवाही नहीं की न कोई कोर्ट क्लेम बाद में पेश किया है न्यायालय को यह विश्वास दिलाने की कोई साक्ष्य रिकॉर्ड पर नहीं है कि आवंटन की क्रियान्विती खातेदारों की खातेदारी भूमि में की गयी। न ही तहसीलदार जो प्रकरण में पक्षकार है उसने आपत्ती की है कि आवंटनी को आवंटित भूमि का सेवन से प्रतिवादीगण की खातेदारी में क्रियान्विती कर दी गयी। इसलिए उक्त तनकी निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है। अधिवक्ता वादीगण द्वारा वादग्रस्त जायदाद की वर्तमान जमाबन्दी पेश की गई तथा वादग्रस्त जायदाद का 1/6 हिस्सा प्रतिवादी नम्बर 1 के कायम मुकाम कमलेश कंवर द्वारा दौराने कार्यवाही प्रकरण विक्रय किया जाना जाहिर किया वादग्रस्त जायदाद की वर्तमान जमाबन्दी का अवलोकन किया गया जिससे जाहिर आया है कि दौराने कार्यवाही प्रकरण प्रतिवादी संख्या 1 के कायम मुकाम कमलेश कंवर द्वारा विवादित आराजी खसरा नम्बर 447 व 448 में अपना 1/6 हिस्सा चोसर पत्नि गोपाल बंजारा निवासी मांगू की बालद नयानगर तहसील बिजौलियां को विक्रय कर दिया है ऐसा विक्रय धारा 52 सम्पत्ती हस्तान्तरण अधिनियम के अनुसार प्रभावहीन है क्योंकि प्रतिवादीया कमलेश कंवर ने न्यायालय की बिना अनुमती के भूमि विक्रय की है क्रेता को उससे कोई अधिकार प्राप्त नहीं होते है इसलिये जो भी डिक्री मौजूदा प्रतिवादीगण के विरुद्ध पारित की जा रही है वह क्रेता चोसर बंजारा पर भी प्रभावशील होगी क्योंकि विवादीत आराजिया बाबत सन् 2005 में ही न्यायालय द्वारा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काष्ठकारी अधिनियम के तहत कर मुल वाद के निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा के आदेश पारित कर रखे थे जिसकी जानकारी प्रतिवादी गण को थी फिर भी उनके द्वारा भूमि विक्रय कर दी गई।

प्रमाणित फोटो प्रति

उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला-भालवाड़ा

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलिया जिला-भालवाड़ा
लगातार पेज संख्या:-10

पेज संख्या-10

- आदेश-

वादपत्र में तनकी संख्या 1 से 3 का निर्णय वादीगण के पक्ष में और तनकी संख्या 4 से 8 तक निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध न्यायालय द्वारा किया गया है इसलिए वादीगण का वाद डिक्री किया जाता है वादीगण को मौजा आटी पटवार हल्का गुढा तहसील बिजौलियां स्थित आराजी खसरा नम्बर 447 रकबा 4 बीघा 12 बिस्वा एवं खसरा नम्बर 448 रकबा 6 बीघा कुल रकबा 10 बीघा 12 बिस्वा का खातेदार काशतकार घोषित किया जाता है इसके साथ ही राजस्व अभिलेखों में उपरोक्त भूमि को प्रतिवादीगण एवं केता चोसर पत्नि गोपाल बंजारा निवासी मांगू की बालद नयानगर तहसील बिजौलियां के खाते से कम की जाकर वादीगण के खाते में दर्ज किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। प्रतिवादीगण एवं चोसर बंजारा को इस आशय की स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वादीगण के कब्जे वाली भूमि में वादीगण को काशत करने में बाधा उत्पन्न नहीं करे न जबरन कब्जा कर भूमि को अपने कब्जे में लेवे।

निर्णय अनुसार डिक्री पर्चा मुर्तिब किया जावे निर्णय आज दिनांक 19/07/23 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया पत्रावली फैसल सुमार की जाकर दाखिल दफ्तर की जावे।



उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला-भीलवाड़ा

(Handwritten Signature)

(सीमा तिवाडी)
उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियां



प्रमाणित फोटो प्रति
(Handwritten Signature)
सिडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला-भीलवाड़ा



मूल वाद में डिक्री

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी बिजौलियां, जिला भीलवाड़ा, (राज0)

बईजलास श्रीमती सीमा तिवाड़ी आर0ए0एस0

राजस्व प्रकरण संख्या 19/2010

दायर तारीख 12.04.2010

निर्णय दिनांक:- 19/07/2023

अनवान

01. शंकर लाल पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
02. उंकार पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
03. बंशी लाल पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
04. मोडी बाई पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
05. द्वारका पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
06. कल्ली पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा
07. संतोष पिता देवीलाल जाति खाती उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां जिला भीलवाड़ा

.....वादीगण

बनाम

01. संग्राम सिंह पुत्र शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग व्यवसाय खेती निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

.....मृतक



- 1.1 कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह राजपूत उम्र गंवर पुत्री संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता
- 2 कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग
- 3 युवराज सिंह पिता संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग
02. तेज सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

.....मृतक

- 1.1 वीर प्रताप सिंह पिता तेज सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग जरिये माता सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग
- 2.2 सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां
03. रघुवीर सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां
- 3.1 ओमेन्द्र कंवर पत्नि शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा
04. जनारदन सिंह पिता शम्भुसिंह जाति राजपूत उम्र बालिग पेषा खेती निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां
05. राजस्थान सरकार मार्फत तहसीलदार महोदय बिजौलियां

.....प्रतिवादीगण

प्रमाणित फोटो प्रति

(Signature)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला भीलवाड़ा

(Signature)
उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-02

पेज संख्या:-02

उपस्थित अधिवक्ता वादीगण श्री गिरधारी लाल आचार्य
उपस्थित अधिवक्ता प्रतिवादीगण श्री जगदीश चन्द्र धाकड़

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88-188 रा0का0अधि0

डिक्री दिनांक :- 19/07/2023

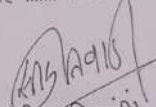
यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसल कतई रूबरू न्यायालय उपखण्ड न्यायालय बिजौलियाँ बहाजरी वादीगण अधिवक्ता श्री गिरधारी लाल आचार्य एवं प्रतिवादीगण अधिवक्ता श्री जगदीश चन्द्र धाकड़ हुकम दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि:-

वादीगण का वाद डिक्री किया जाता है वादीगण को मौजा आटी पटवार हल्का गुढा तहसील बिजौलियाँ स्थित आराजी खसरा नम्बर 447 रकबा 4 बीघा 12 बिस्वा एवं खसरा नम्बर 448 रकबा 6 बीघा कुल रकबा 10 बीघा 12 बिस्वा का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है इसके साथ ही राजस्व अभिलेखों में उपरोक्त भूमि को प्रतिवादीगण एवं केता चोसर पत्नि गोपाल बंजारा निवासी मांगू की बालद नयानगर तहसील बिजौलियाँ के खाते से कम की जाकर वादीगण के खाते में दर्ज किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। प्रतिवादीगण एवं चोसर बंजारा को इस आशय की स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वादीगण के कब्जे वाली भूमि में वादीगण को काश्त करने में बाधा उत्पन्न नही करे न जबरन कब्जा कर भूमि को अपने कब्जे में लेवे। डिक्री मुर्तिब हो।

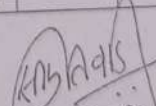
नीजNil.....मुबलिंग Nil
बाबत् Nil खर्चा इस मुकदमें के मय सूद व शहर Nil फीस दी
सालाना आज की तारीख से तारीख वसूलयाबी तक Nil का अदा
करे।

बशब्द मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 19 माह 07 वर्ष 2023 को जारी किया गया।



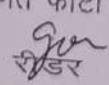

(सीमा तिवाड़ी)
उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियाँ

	रुपया	पैसे	मुदायला	रुपया	पैसे
मुद			स्टाम्प अरजीदया	-	
स्टाम्प अरजीदया	-		स्टाम्प वकीलात नामा	-	
स्टाम्प वकीलात नामा	-		स्टाम्प वजह सबूत	-	
स्टाम्प वजह सबूत	-		महनताना वकील ()	-	
महनताना वकील ()	-		खर्चा गवाह	-	
खर्चा गवाह	-		फीस कमीशनर	-	
फीस कमीशनर	-		बाबत् इजराय हुक्मनामा	-	
बाबत् इजराय हुक्मनामा	-		मुनफरिक	-	
मुनफरिक					
मीजान			मीजान		


(सीमा तिवाड़ी)
उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियाँ



उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियाँ जिला-भीलवाड़ा

प्रमाणित फोटो प्रति

रिडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियाँ जिला भीलवाड़ा